नया रायपुर में साइकिल चलाते मृणाल गजभिए, सौरभ मारवीजा, हिमांशु मारवीजा, हर्ष नारवानी और अक्षत अग्रवाल।

अप्रैल से सुविधा, नई राजधानी में किराए से मिलेंगी नई साइकिलें

देश के सबसे लंबे ट्रैक पर 120 विदेशी साइकिलों से शुरू होगा शेयरिंग प्लान

इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | रायपुर

नया रायपुर में देश के सबसे लंबे साइकिल ट्रैक पर विदेशी साइकिलों का शेयरिंग प्लान यानी किराये पर साइकिल देने के कांसेप्ट का प्रपोजल अंतिम चरण में है। बंगलुरू की कंपनी को साइकिल शेयरिंग के लिए चुना गया है। शेयरिंग प्लान को 120 साइकिल के साथ शुरू किया जाएगा। इस प्लान के तहत नई राजधानी में पहली बार लोगों को 20 हजार तक की साइकिलें पांच-10 रुपए में किराये पर मिलेंगी। यहां से बस में जाने वाले लोग किराये पर साइकिल लेकर कम खर्च में आसानी से अलग-अलग सेक्टरों में पहुंच सकेंगे।

प्रोजेक्ट में ताजगी बनाए रखने और लोगों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक तकनीक वाली साइकिलें ही उपलब्ध करवाने का प्लान है। कंपनी को चार गियर वाली साइकिल उपलब्ध करवानी होगी। करीब 400 किमी प्रस्तावित साइकिल ट्रैक को नए शहर के सभी प्रमुख सेक्टरों से जोड़ा जा रहा है। करीब 60 किमी ट्रैक का निर्माण पूर्ण हो गया है। बड़े स्तर पर ट्रैक को देखते हुए शहर के युवाओं में साइकिलिंग का रुझान भी बढ़ने लगा है। युवाओं व स्कूली बच्चों ने तो नया रायपुर के ट्रैक पर साइकिलिंग करना शुरू भी कर दिया है। बढ़ते रुझान को देखते हुए नया रायपुर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) ने अप्रैल महीने से साइकिल शेयरिंग प्लान को शुरू करने का निर्णय लिया है। 5 फरवरी से ट्रायल शुरू होगी। लोगों को जागरूक करने के लिए एनआरडीए के साथ मिलकर साइकिल शेयरिंग कंपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर के इवेंट भी कराएगी।

बनेगा इको फ्रेंडली शहर

नया रायपुर को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस नवीन शहर को इको फ्रेंडली बनाने के लिए ही साइकिल शेयरिंग कांसेप्ट को लाया गया है। पुराने शहर से नया रायपुर आने से लेकर यहां विभिन्न सिरसों में अपना काम करने के लिए लोगों को साइकिल शेयरिंग के लिए जागरूक किया जाएगा। नई राजधानी क्षेत्र में साइकिल ट्रैक इसलिए बन रहे हैं, ताकि शहर इकोफ्रेंडली रहे और जहां भी बीआरटीएस चले, वहां उसके बाद पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए साइकिल सबसे बड़ा साधन बनकर उभरे।

जेब पर भार न पड़े इसका पूरा ख्याल

नई राजधानी को दुनियाभर के मार्डन शहरों की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी चल रही है। लोगों को मात्र पांच से दस रुपए में ही किराए पर साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए एप बनाया जाएगा। एप के माध्यम से लोग एडवांस में साइकिल की बुकिंग करा सकेंगे। बुकिंग होने के बाद साइकिल को रिजर्व कर दिया जाएगा। लोगों को साइकिल के साथ हेलमेट भी मिलेगा। कंपनी द्वारा अत्याधुनिक तकनीक से लैस विदेशी लुक वाली साइकिलें मुहैया कराई जाएंगी। बंगलुरू की कंपनी साइन पोस्ट को साइकिल शेयरिंग से 74 हजार रुपए महीने तक की आमदनी होने का अनुमान है। अनुबंध के अनुसार इसमें 40 फीसदी राशि एनआरडीए लेगा। इस पूरी योजना में 1 करोड़ 63 लाख रुपए का निवेश हो रहा है। चयनित कंपनी बंगलुरू के अलावा दिल्ली में भी साइकिल शेयरिंग का काम कर रहा है। उनके अफसरों का कहना है कि देशभर में इतने बड़े स्केल पर पहली बार नया रायपुर में साइकिल शेयरिंग प्लान लाया जा रहा है।

बनेंगे दस साइकिल स्टेशन

नया रायपुर में साइकिल रखने के लिए दस जगहों पर स्टैंड बनेंगे। सभी स्टैंड में साइकिल उपलब्ध रहेगी। बीआरटीएस बसों के लिए बने टर्मिनल में ही मुख्य साइकिल स्टेशन होगा। यहां बने इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम (आईटीएस) से साइकिल शेयरिंग को संचालित किया जाएगा। साइकिल शेयरिंग स्कीम के तहत लोगों को इसका सदस्य भी बनाया जाएगा और उनसे सालाना रेंट लिया जाएगा। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति तय किराया देकर साइकिल का उपयोग कर सकता है। हर साइकिल में जीपीएस सिस्टम लगेगा। साइकिल में खराबी या किसी और दिक्कत पर जीपीएस के कारण मौके पर ही असिस्टेंस दिया जा सकेगा।

नया रायपुर देश का पहला ऐसा शहर होगा, जहां बड़े क्षेत्र में साइकिल शेयरिंग का प्लान बना है। शहर को इकोफ्रेंडली रखने के लिए यह बड़ी पहल हुई है। युवाओं का रुझान अभी से ही साइकिलिंग में बढ़ रही है।

रजत कुमार,
सीईओ, एनआरडीए